भारतीय जनता पार्टी
केन्द्रीय कार्यालय
11, अशोक रोड, नई दिल्ली
दूरभाष : 23382234—35 फैक्स : 23782163

दिनांक : 19—1—2008

भाजपा महिला मोर्चा की राष्ट्रीय कार्यसमिति में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री राजनाथ जी का उद्‌बोधन

देश के कोने—कोने से आई सभी महिला प्रतिनिधियों का हार्दिक अभिनन्दन। आप सबको इतनी बड़ी संख्या में देख कर प्रसन्नचित अनुभव कर रहा हूं। महिला मोर्चा की सक्रियता के लिए श्रीमती किरण महेश्वरी और उनकी पूरी टीम को बधाई देता हूं। भारतीय जनता पार्टी यह विश्वास करती है कि देश की राजनीति में महिलाओं की सक्रिय और प्रभावी भागीदारी होनी चाहिए। इसी लिए **एनडीए सरकार ने महिलाओं को संसद और विधानसभा में 33 प्रतिशत आरक्षण मिले इसके लिए एक विधेय संसद के पटल पर रखा था।**

15 वर्षों तक श्रीमती इंदिरा गांधी देश की प्रधानमंत्री रही। लेकिन देश की राजनीति में महिलाओं की सक्रिय एवं प्रभावी भूमिका नहीं बन सकी। एनडीए के कार्यकाल में माननीय अटल बिहारी वाजपेयी जी ने यह प्रयास किया कि देश की राजनीति में महिलाओं की सक्रिय एवं प्रभावी भूमिका रहे।

वर्तमान यूपीए सरकार के लगभग 3 वर्ष से अधिक कार्यकाल में महिला आरक्षण विधेयक पर कोई ड्राफ्ट भी तैयार नहीं किया गया है क्योंकि यूपीए के घटक दलों में महिला आरक्षण विधेयक को लेकर एक राय अभी तक नहीं है।

भारतीय जनता पार्टी यह मांग करती है कि 2009 के लोकसभा के चुनाव में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण मिले। और आने वाले बजट सत्र में यूपीए सरकार महिला आरक्षण विधेयक को लेकर आए भारतीय जनता पार्टी विधेयक का समर्थन करेगी। उन्होंने मीडिया में आई खबरों को निराधार बताया कि भाजपा महिला आरक्षण बिल से पिछे हट रही है।

आजाद भारत के इतिहास में विश्वास का संकट पैदा हुआ है। क्योंकि नेताओं की करनी और कथनी में फर्क है। इस संकट को समाप्त करने के लिए हमने संसद में 33 प्रतिशत महिला आरक्षण की बात कही। संगठन के अन्दर महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण मिले इसकी प्रक्रिया आरम्भ हो चुकी है आने वाले राष्ट्रिय परिषद में इस प्रस्ताव को पास कर दिया जायेगा।

देश संकट के दौर से गुजर रहा है। महंगाई एक बहुत बड़ा संकट है। कांग्रेस जब—जब सत्ता में आती है महंगाई बढ़ती है। और इससे से आम आदमी, विशेषकर

Document Produced by deskPDF Unregistered :: http://www.docudesk.com

महिलाएं अधिक प्रभावित होती हैं। एनडीए के कार्यकाल में माननीय अटल बिहारी वाजपेयी जी ने महंगाई को नहीं बढ़ने दिया। आंतरिक सुरक्षा का संकट चरम पर है। सुरक्षा बलों का मनोबल गिरा हुआ है वहीं दूसरी तरफ आतंकवादियों के हौसले बुलंद हैं, क्योंकि वर्तमान यूपीए सरकार ने पोटा जैसे आतंकवाद विरोधी कानून का हटा दिया। इसीलिए दिन–प्रतिदिन आतंकवादी घटनाएं बढ़ रही हैं। वहीं दूसरी तरफ यूपीए सरकार वोट की राजनीति कर रही है। आतंकवादी घटनाएं एनडीए के कार्यकाल में भी हुईं लेकिन सुरक्षाबलों का मनोबल बढ़ा हुआ था और इसीलिए आतंकवादियों को ओन दा स्पोट मारा या पकड़ लिया जाता था। वर्तमान में ऐसा नहीं है क्योंकि आतंकवादियों के खिलाफ कोई सख्त कानून इस सरकार के पास नहीं है।

वर्तमान यूपीए सरकार भारत की संस्कृति को तहस–नहस करने का असफल प्रयास कर रही है। इसीलिए हमारे और आपके अराध्य श्रीराम के अस्तित्व पर सवाल खड़ा किया जा रहा है? यह तो ऐसा ही हुआ कि एक बेटा अपने माता–पिता से पूछ रहा है कि आप मेरे माता–पिता है या नहीं? हम मांग करते हैं कि यह सरकार देशवासियों से क्षमा याचना करे।

अगर राम का अस्तित्व नहीं होता तो महात्मा गांधी राम राज्य की कल्पना क्यों करते? अन्तिम समय में हे राम क्यों कहते? रघुपति राघव राजा राम, पतीतपावन सीता राम क्यों बोलते? सच्चाई यह है कि गांधी का नाम कांग्रेस के पास है, काम भाजपा के पास आ गया है।

श्री राजनाथ सिंह ने सभी महिला कार्यकर्ताओं से 21 फरवरी को रामलीला मैदान में महिला आरक्षण को लेकर होने वाली रैली को सफल बनाने की अपील की। और कहा रैली से सरकार पर इतना दबाव बनाओं कि वर्तमान सरकार महिला आरक्षण कानून को बनाने के लिए बाध्य हो जाये।

शाम जाजू
(कार्यालय प्रभारी)

Document Produced by deskPDF Unregistered :: http://www.docudesk.com